Ph.: Off.: 2633233/2955977
aryawani.ngp@gmail.com

॥ ओ३म्।।

दयानन्द आर्य कन्या महाविद्यालय

आर्य विद्या सभा द्वारा संचालित
(Regd. under Societies Act. XXI)
जरीपटका, नागपुर ४४००१४.

Brief Report

Brief Report of Project / Field/ Internship Work (1.3.3)

Name of the Project Undertaken	"Stri Aarakshan Au Panchayt Raj ki report ”	
Academic Session	2024-25	
Organizing Department/ Committee	Major political science(SEC I Year)	
Total Number of Students Participated in the Project	19	
Brief Report	The Project entitled - " Stri Aarakshan Au Panchayt Raj ki report" undertaken by the Department of political science during the session of 2024-25under the guidance of Internal Quality Assurance Cell of the Institution. Total 10 students participated in the project activity and successfully completed the project. The completion certificate has been given to the students. All students found it very interesting to learn through the experiential learning. They enjoyed the project work.	
Criterion :1	Metric no-1.3.3	
Signature of Co-Ordinator	Signature & Stamp of IQAC Co-Ordinator	Signature of & Stamp of Principal

Ph.: Off.: 2633233/2955977
aryawani.ngp@gmail.com

॥ ओ३म्।।

दयानन्द आर्य कन्या महाविद्यालय

आर्य विद्या सभा द्वारा संचालित

(Regd. under Societies Act. XXI)

जरीपटका, नागपुर ४४००१४.

Students Information

S.N.	Name of Student	Program	Class
01.	Mahak Meshram	B. A	I year
02.	Tanushri Jambulkar	B. A	I year
03.	Annu Bawane	B. A	I year
O4.	Deveshwari Krupate	B. A	I year
05.	Deepa upadhyay	B. A	I year
06.	Muskan Temburne	B. A	I year
07.	Kudasiya Kausar Ansari	B. A	I year
08.	Ruchika Umathe	B. A	I year
09.	Anisha Mishram	B. A	I year
10.	Raman Vikey	B. A	I year
11.	Sanjana Ahirwar	B. A	I year
12.	Shenhal Kori	B. A	I year
13.	Sakshi Sahare	B. A	I year
14.	Mansvi Patil	B. A	I year
15.	Shilpa Patil	B. A	I year
16.	Taniya Shahu	B. A	I year
17.	Pratikish Dandale	B. A	I year
18.	Vanshika S Salame	B. A	I year
19.	Mahak Sumundre	B. A	I year

Front Page of Project

ARYA VIDYA SABHA'S

DAYANAND ARYA KANYA MAHAVIDYALAYA

Jaripatka, Nagpur.

'Political Science project'

Organised By

Department of project

CERTIFICATE

This is to certify that project work in the subject political science : Major SEC entitles Pol. Sci. Stri Aarakshan Au Panchayt Raj ki report has been successfully completed by ku. Mahak Meshram of B.A I Year during the Academic session 2024-25 Hence the certificate is awarded to her.

Co-Ordinator	**Principal**
Dr. – Babita Thool	**Dr. Sujata Chakravorty**
Dept. of Pol. Sci	**DAKM, Nagpur**

Project Copy

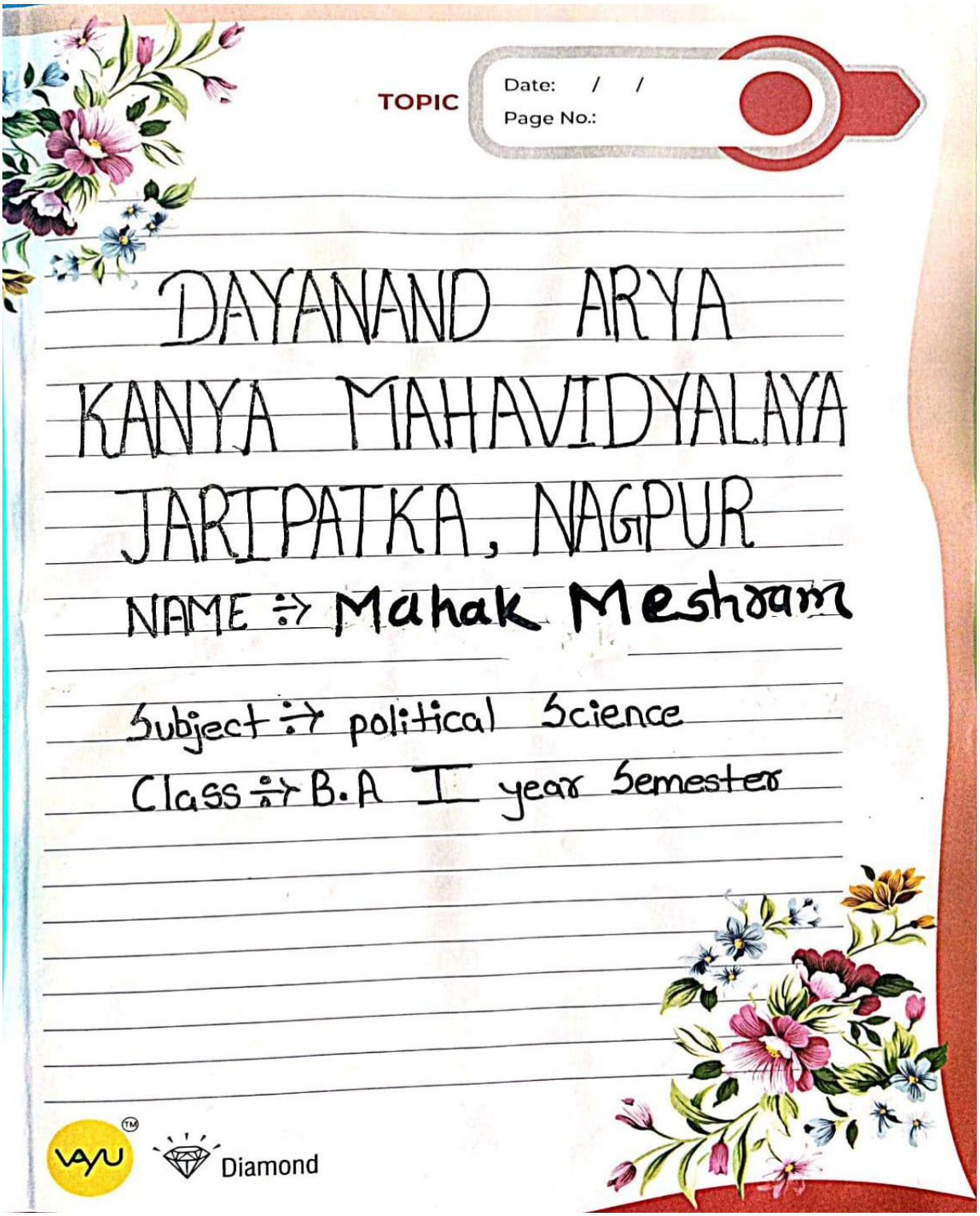

TOPIC

Date: / /

Page No.:

अनुक्रमणिका

अ.क्र	घटना के नाम	पृष्ठ क्र
1	प्रस्तावना	
2	उद्देश्य	
3	महत्व	
4	आवश्यकता	
5	निरीक्षण	
6	विश्लेषण	
7	निष्कर्ष	

vayu Diamond

पंचायत चुनाव
आरक्षण लिस्ट

TOPIC Date: / / Page No.:

स्त्री आरक्षण और पंचायत राज

1) प्रस्तावना :- किसी भी देश के समाज का स्वरुप उस रहनेवाली स्त्रियों के परिस्थिती पर निर्भर होता है। ऐसे समाज में स्त्रियों की स्थिती मजबूत और सन्मानपूर्ण होने पर समाज भी मजबूत और सशक्त होता है। वर्तमान परिस्थिती में कोई भी देश यह निश्चित रूप से नहीं बता सकता है, उनके देश में रहनेवाली स्त्रियों को कोई भी समस्या नहीं है। आज के समय में स्त्री यह तृतीय विश्व समान है जहाँ उसके अधिकार मर्यादित और कर्तव्य अमर्यादित है। तथा स्त्रियों से अपेक्षा भी अधिक मात्रा में है।

जब किसी भी समाज के संस्कृती का विश्लेषण किया जाता है तो उस समाज में रहनेवाली स्त्रियों के अधिकार और भूमिका का विचार करना आवश्यक है। स्त्री को अपनी भूमिका का निर्वाह करते समय शासन एवं सामाजिक तथा सांस्कृतिक संस्था द्वारा कौनसे अधिकार प्राप्त होते है और इन्हें कितना समय दिया जाता है यह जानना भी आवश्यक है।

VAYU Diamond

TOPIC Date: / / Page No.:

2) उद्देश्य :-

1) देश में नगर संस्थाओं जैसे नगर निगम पालिका, नगर परिषद तथा नगर पंचायतो के अधिकारों में एकरूपता रहे।

2) नागरिकों के कार्यों में जन प्रतिनिधियों का पूर्ण योगदान तथा राजनीतिक प्रक्रिया में निर्णय लेने का अधिकार रहे।

3) नियमित समय पर प्रादेशिक निर्वाचन आयोग के आधीन चुनाव हो सके।

4) समाज की दुर्बल एवं कमजोर जनता का पर्याप्त प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करने के लिए तथा पिछड़े वर्गों को नगर प्रशासन में आरक्षण प्राप्त हो।

5) प्रत्येक प्रदेश में स्थानीय नगर निकायों की आर्थिक स्थिती सुधारने के लिए एक राज्य (प्रादेशिक) वित्त आयोग का गठन हो जो राज्य सरकार व स्थानीय नगर निकायों के बीच वित्त हस्तांतरण के सिद्धांतो को परिभाषित करे। जिससे कि स्थानीय निकायों का वित्तीय आधार मजबूत बने।

6) सभी स्तरों पर पूर्ण पारदर्शिता रहे।

Vayu Diamond

TOPIC Date: / / Page No.:

महत्व :-
संपूर्ण देश में पंचायत राज व्यवस्था और स्थानिक स्वशासन के द्रष्टि से ७३वां और ७४ वां संविधान अधिक महत्वपूर्ण है। ७३ वें संविधान संशोधन से पंचायत राज व्यवस्था को संवैधानिक स्थान प्राप्त हुआ है। तथा ७४ में संशोधन कानून के तत्व राज्य सरकार पर बंधनकारक होने के कारण नगरपरिषद, महानगर पालिका, नगर पंचायत जैसे नागरी स्थानिक संस्था को संवैधानिक दर्जा प्राप्त होने के द्रष्टि से महत्वपूर्ण साबित हुए। ७४ वें संशोधन के अनुसार राज्य सरकार नागरी स्थानिक संस्था के कार्य में हस्तक्षेप नही कर सकती। संशोधन के महत्वपूर्ण तत्वों का पालन करना राज्य सरकार पर बंधनकारक है। नागरी स्थानिक संस्थाको मजबूत स्वरूप प्राप्त होने के कारण और वित आयोग की स्थापना के कारण यह संविधान संशोधन महत्वपूर्ण है। परिणाम स्वरूप नगर विकास और नगर की आर्थिक स्थिती सुधारणा के द्रष्टे से अवसर प्राप्त हुआ है।

5) ७४ वें संविधान संशोधन की आवश्यकता :- पूर्व की नगरीय स्थानीय स्वशासन व्यवस्था लोकतंत्र व्यवस्था के अनुरूप नही था। सबसे पहली कमी इसमें यह थी कि इसका वितीय आधार कमजोर था। वितीय संसाधनों की कमी होने के कारण नगर निकायों के कार्य संचालन पर

Vayu Diamond

TOPIC

Date: / /

Page No.:

राज्य सरकार का ज्यादा से ज्यादा नियंत्रण था जिसके कारण धीरे-धीरे नगर निकायों के द्वारा किए जाने वाले अपेक्षित कार्यों अथवा उन्हें सौंपे गए कार्यों में कमी होने लगी। नगर निकायों के प्रतिनिधियों की बरखास्ती या नगर निकायों कार्यकाल समाप्त होने पर भी समय पर चुनाव नहीं हो रहे थे। इन निकायों में कमजोर और उपेक्षित वर्गों (महिला, अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति का प्रतिनिधीत्व न के बराबर था। अत: इन कमियों को देखते हुए 74 वें संशोधन अधिनियम में स्थानिय नगर निकायों को संरचना, गठन, शक्तियों और कार्यों में अनेक परिवर्तन का प्रावधान किया गया।

5) निरीक्षण :-

73 वां और 74 वां संशोधन, जिसने पहली बार महिलाओं के लिए असली स्थिते की शुरुआत की संविधान के 73 वें और 74 वें संशोधन अधिनियम में विशेष रूप से औपनिवेशिक राज स्मारकों और शहरी स्थानीय कलाकारों के सभी पूर्व राष्ट्रपतियों के लिए डेमोक्रेसी में महिलाओं के लिए एक एकल दृष्टिकोण वाले ऑर्केस्ट्रा करने का आदेश दिया गया था।

Vayu Diamond

TOPIC Date: / / Page No.:

6) विश्लेषण :-
भारत : पंचायतों में महिलाओं को 30 साल से मिल रही आरक्षण की व्यवस्था से मिले सबक !
महिलाओं की नुमाइंदगी ने स्थानीय प्राथमिकताओं को फिर से परिभाषित करने में अहम भूमिका अदा की है. लेकिन, महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने से जुड़ी मौजूदा चुनौतियों से निपटने के लिए उचित कदम उठाए जाने की जरूरत है. इस साल संविधान में 73 वां और 74 वां संशोधन करने के तीस साल पूरे हो गए. इन्हीं संशोधनों के जरिए स्थानीय प्रशासनिक निकायों में एक तिहाई सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित की गई थीं।

7) निष्कर्ष :-
प्रारम्भ में पंचायती राज में महिलाओं के लिए 33% आरक्षण था। बाद में, इसे बढ़ाकर 50% कर दिया गया।
प्रमुख बिंदु :- 1992 के 73वें संशोधन अधिनियम में पूरे देश में आदिवासियों के राज में महिलाओं को 33% आरक्षण दिया गया।
• 243D के अंतर्गत स्केटरेस्ट के लिए रेस्ट किया जाता है और 1/3(33%) रेस्टरूम महिलाओं के लिए रेस्ट किया जाता है।
. बाद में, बिहार, मध्य प्रदेश, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश जैसे कुछ राज्यों में महिलाओं के लिए ऐसे क्वार्टरों पर 50% कर दिया गया।

VAYU Diamond